एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 03, अंक: 05 (सितम्बर-अक्टूबर, 2023)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

स्वच्छ भारत ग्रामीण मिशन में सहायक-गोबर-धन योजना (GOBAR-DHAN)

(*शैलू यादव[1], आशीष यादव[1] एवं प्रमोद कुमार प्रजापति[2])

[1]जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश

[2]कृषि महाविद्यालय, टीकमगढ, मध्य प्रदेश

*संवादी लेखक का ईमेल पता: shailuyadav0512@gmail.com

भारत में मवेशियो की एक बडी संख्या है, इसके अतिरिक्त भारत की ग्रामीण आबादी का एक बेहद बडा हिस्सा कृषि पर निर्भर है मवेशियो से गोबर और कृषि अपशिष्ट कचरा जो प्राप्त होता है और उसको निर्धारित करने की समस्या भारत के सामने एक चुनौती के रूप में आती है, इसे ध्यान मे रखते हुए सरकार ने इस योजना को प्रारम्भ किया है यह योजना सिर्फ योजना नही है बल्कि ग्रामीण भारत को स्वच्छ रखने का एक बेहतर विकल्प है, संकल्प है इसके अलावा जो किसान है, पशुपालक है उनकी आय को बढाने मे भी सहायक है और कचरे से ऊर्जा का उत्पादन करना हमारा एक मिशन है इसलिए कहा जा सकता है कि यह वेस्ट टू वेल्थ है और साथ ही वेस्ट टू एनर्जी है। यह योजना स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्य के लिए बेन्चमार्क सेट करेगी और साथ ही प्रदूषण को कम करने मे भी सहायक सिद्ध होगी।

भारत सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण चरण– प्प कार्यक्रम के तहत एक राष्ट्रीय प्राथमिकता परियोजना के रूप में गैल्वेनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो–एग्रो रिसोर्सेस योजना शुरू की, यह योजना गॉवो को साफ रखने, ग्रामीण परिवारो की आय बढाने और मवेशियो के कचरे से ऊर्जा पैदा करने पर केन्द्रित है। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत गॉवो को स्वच्छ बनाने के लिए दो मुख्य घटक शामिल हैं

- खुले में शौच मुक्त (ओ.डी.एफ.) open defecation free.
- गॉव और गॉवो में ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन (SLWM- Solid and Liquid waste management).

गोबर–धन योजना के उद्देश्य

गोबर को पुराने समय से ही खाद के रूप में खेतो में उपयोग किया जाता रहा है। परन्तु रसायनिक उर्वरको, पेस्टीसाइड के आने से परम्परागत रूप से होने वाले जैविक खादो पर पूर्णतः अंकुश सा लग गया है। गोबर एक वेस्ट के रूप में गांवो में पडा रहता है इससे प्रदूषण होंता है और हवा खराब होती है इस पर अलग अलग प्रकार के जीव इन्सानो के सम्पर्क में आते और विभिन्न प्रकार की बिमारियो को जन्म देते है। इन सभी समस्याओ से निपटनो के लिए के लिए यह एक बेहतर विकल्प है। इससे किसानो की आय में भी वृद्धि होगी।

- ग्रामीण क्षेत्रो से कचरे को समाप्त कर पर्यावरण को बढावा और वेक्टर जनित बीमारियो पर अंकुश लगाया जाएगा।
- पशुओ के गोबर और खेतो के ठोस अपशिष्ट पदार्थो को कम्पोस्ट, बायोगैस, बायो सी.एन.जी में परिवर्तित किया जाएगा।
- गांवो को स्वच्छ बनाना एवं पशुओ और अन्य प्रकार के जैविक अपशिष्ट से अतिरिक्त आय तथा ऊर्जा उत्पन्न करना है।

- गोबर को बायोगैस एवं जैविक खाद में बदलकर रोजगार के अवसर और घरेलू बचत को प्रोत्साहित किया जा सकता है।
- गोबरधन एकीकृत पोर्टल के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और मजबूत बनाना।

बायोगैस

बायोगैस में लगभग 55–60 प्रतिशत मीथेन, 35 से 44 प्रतिशत कार्बन डाईऑक्साइड और अमोनिया हाइड्रोजन सल्फाइड और नाइट्रोजन जैसी अन्य गैसो पाई जाती है। कच्चे रूप में बायोगैस का उपयोग मुख्यतः बिजली उत्पादन के लिए एल.पी.जी. जैसे स्वच्छ खाना पकाने के ईधन के रूप मे किया जा सकता है।

गोबरधन योजना के हितधारक (स्टेक होल्डर)

- कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग।
- किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग ।
- नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय।
- ग्रामीण विकास विभाग।
- पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय।
- पेयजल एवं स्वच्छता विभाग।
- पशुपालन एवं डेयरी विभाग।

योजना के लाभ

- जैविक खाद का उपयोग बढेगा।
- अपशिष्ट और कचरे के उपयोग से ग्रामीण क्षेत्रो की स्वच्छता में वृद्धि होगी।
- वायोगैस के माध्यम से विजली का उत्पादन किया जायेगा।
- पर्यावरण प्रदूषण पर अंकुश लगेगा।
- रोजगार का सृजन होगा।
- पशुपालन के कारोबार में वृद्धि होगी।
- किसानो की आय में वृद्धि होगी।

आवेदन कैसे करे।

देश के जो ग्रामीण क्षेत्रो के इच्छुक लाभार्थी इस योजना के अन्तर्गत आवेदन करना चाहते है तो इस प्रकार से आवेदन कर सकते है।

- सर्वप्रथम योजना की **ऑफिशियल वेबसाइट** https://gobardhan.co.in में जाना होगा, उसके बाद होम पेज खुलेगा।
- इस होम पेज पर आपको रजिस्ट्रेशन का विकल्प दिखाई देगा, आपको इस विकल्प पर क्लिक करना होगा, जिसके बाद आपके सामने आवेदन फार्म खुल जायेगां जिसमें आपको चाही गई जानकारी भरना होगा। सभी जानकारी भरने के बाद सबमिट बटन पर क्लिक करना होगा जिससे बाद आपका रजिस्ट्रेशन पूरा हो जाएगा। आपको एक रजिस्ट्रेशन संख्या प्राप्त होगी जिसे सुरक्षित रखे जो भविष्य में काम आयेगी।